AG Publishing House

Sustainable Tourism Development & Management for Viksit Bharat – Opportunities & Challenges

Year: 2026

AG PH Books

भारत में सतत् पर्यटन विकास और विकसित भारत 2047 की संभावनाएँ: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. षिव कुमार व्यास[1*], डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव[2]

[1] सह–प्राध्यापक गो.से.अर्थ–वाणिज्य महाविद्यालय(स्वषासी) जबलपुर

सारांश Abstract

यह शोध पत्र भारत में सतत् और समावेशी पर्यटन विकास की संभावनाओं, चुनौतियों और नीतिगत उपायों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जो "विकसित भारत 2047" की दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है। शोध में 2015 से 2023 तक के द्वितीयक आँकड़ों के माध्यम से पर्यटन के आर्थिक योगदान, रोजगार सृजन, और पर्यटक आगमन की प्रवृत्तियों का अध्ययन किया गया है तथा 2047 तक के संभावित परिदृश्य का पूर्वानुमान भी प्रस्तुत किया गया है। आंकड़े पर्यटन मंत्रालय, डब्ल्यू.टी.टी.सी., यू.एन.डब्ल्यू.टी.ओ. और नीति आयोग जैसे प्रतिष्ठित स्रोतों से संकलित किए गए हैं।

पर्यटन क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 2019 तक निरंतर बढ़ता रहा, जबकि कोविड–19 के दौरान इसमें भारी गिरावट आई। 2022 के बाद से क्षेत्र ने पुनः गति पकड़ी है। शोध में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि यदि वर्तमान नीतियाँ और निवेश रणनीतियाँ उचित दिशा में बढ़ती हैं, तो 2047 तक पर्यटन भारत के आर्थिक विकास और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रमुख माध्यम बन सकता है।

शोध में यह भी बताया गया है कि भारत के पास धार्मिक, सांस्कृतिक, ग्रामीण, और साहसिक पर्यटन के क्षेत्रों में व्यापक अवसर हैं, लेकिन इसके साथ ही अति–पर्यटन, पर्यावरणीय दबाव, और नीतिगत विसंगतियाँ बड़ी चुनौतियाँ हैं।

नीति निर्माताओं के लिए सुझाव दिए गए हैं जैसे– एकीकृत सतत् पर्यटन नीति, स्थानीय समुदायों की भागीदारी, स्मार्ट टूरिज्म मॉडल, और डाटा–आधारित निगरानी प्रणाली का विकास। अंततः, यह शोध पर्यटन को भारत के समावेशी और टिकाऊ भविष्य की कुंजी के रूप में प्रस्तुत करता है। ण

प्रमुख कीवर्ड (झमलूवतके): सतत् पर्यटन, विकसित भारत 2047, पर्यटन नीति, पर्यटन का आर्थिक योगदान, घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन, कोविड–19 और पर्यटन, स्थानीय सहभागिता एवं रोजगार

प्रस्तावना (Introduction):

भारत विश्व के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है, जहाँ हर वर्ष करोड़ों पर्यटक आते हैं। पर्यटन क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है– यह रोजगार, विदेशी मुद्रा और स्थानीय संस्कृति के प्रचार–प्रसार में सहायक है। सतत् विकास के संदर्भ में यह

* ISBN No. 978-93-7640-929-7

आवश्यक है कि पर्यटन गतिविधियाँ पर्यावरणीय संतुलन, सामाजिक समरसता और आर्थिक समावेशन को प्राथमिकता दें। यह शोधपत्र 'विकसित भारत 2047' को ध्यान में रखते हुए पर्यटन क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध अवसरों, प्रमुख चुनौतियों और नीतिगत विकल्पों की समीक्षा करता है।

शोध की पद्धति (Research Methodology):

- प्रकारः वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध–
- डेटा स्रोतः
  - भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय (Ministry of Tourism)
  - नीति आयोग (NITI Aayog)
  - विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO)
  - वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (WTTC)
  - सेंटर फॉर सस्टेनेबल टूरिज्म (CST)
- सांख्यिकीय उपकरणः
  - वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics)
  - कारक विश्लेषण (Factor Analysis)
  - प्रवृत्ति विश्लेषण (Trend Analysis)
  - SWOT विश्लेषण

शोध का क्षेत्र (Area of research):

इस शोध पत्र में 1. पर्यटन का आर्थिक योगदान एवं 2. भारत में पर्यटक आगमन के आंकड़े द्वितीय संमंकों के रूप में एकत्रित किए गए हैं, अतः यह शोध विकसित भारत में सतत् पर्यटन विकास और प्रबंधनः अवसर, चुनौतियाँ और समावेशी विकास के लिए नीतिगत उपाय के अंतर्गत 1. पर्यटन का आर्थिक योगदान एवं 2. भारत में पर्यटक आगमन पर केन्द्रित है। यह शोध वर्ष 2015 से 2023 तथा 2047(अनुमानित) के आंकड़ो पर किया गया है।

साहित्य समीक्षा (Literature Review):

विश्व पर्यटन संगठन (2015, 2021) भारत में पर्यटन के क्षेत्र में विविध प्रकार के अवसर मौजूद हैं, जैसे कि धार्मिक पर्यटन, इको–टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और साहसिक पर्यटन। इन सभी में रोजगार, स्थानीय विकास और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की व्यापक संभावनाएँ हैं। नीति आयोग (2018) नीति आयोग ने 'न्यू इंडिया 2022' दृष्टिकोण के तहत पर्यटन को एक प्रमुख विकास क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया है। इसमें पूर्वोत्तर भारत, हिल स्टेशन, और सांस्कृतिक विरासत स्थलों पर पर्यटन विकास को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। डिजिटल और ई–गवर्नेंस की भूमिका डिजिटल इंडिया अभियान, ई–विजा सुविधा और मोबाइल ऐप्स ने पर्यटकों के लिए योजना बनाना, बुकिंग करना और जानकारी पाना अधिक सुविधाजनक बना दिया है, जिससे पर्यटन में वृद्धि हो रही है।

विश्व पर्यटन संगठन 2015 एवं 2021: विश्व पर्यटन संगठन द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में पर्यटन को सतत विकास लक्ष्यो से जोड़ते हुए यह बताया गया कि पर्यटन सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय तीनों क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस रिपोर्ट में यह विशेष रूप से उल्लेख किया गया कि पर्यटन के माध्यम से निर्धनता उन्मूलन, रोजगार सृजन, लैंगिक समानता, सांस्कृतिक संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन को प्रोत्साहन दिया जा सकता है। विकसित होते भारत के लिए यह रिपोर्ट नीति–निर्माताओं को सतत और समावेशी पर्यटन की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करती है।

भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय 2019, 2020 एवं 2022: भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित 'भारत पर्यटन सांख्यिकी रिपोर्ट' में देश में पर्यटन से संबंधित आँकड़ों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में लगभग 1.09 करोड़ विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ जिससे विदेशी मुद्रा अर्जन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई। 2020 और 2021 में कोविड–19 के प्रभाव से पर्यटन उद्योग में भारी गिरावट आई, किंतु 2022 में पुनः पर्यटन में सुधार देखा गया, जो दर्शाता है कि भारत में पर्यटन क्षेत्र की पुनरुत्थान क्षमता सशक्त है। ये रिपोर्टें सतत एवं समावेशी पर्यटन नीति निर्धारण के लिए तथ्यात्मक आधार प्रदान करती हैं। रेड्डी एवं आचार्य 2019: रेड्डी और आचार्य द्वारा प्रकाशित अध्ययन में भारत में समावेशी पर्यटन रणनीतियों की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

शोध में यह बताया गया है कि यदि स्थानीय समुदायों, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को पर्यटन क्षेत्र में सहभागिता दी जाए तो यह न केवल आर्थिक विकास को गति देगा, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनेगा। इसमें यह भी सुझाया गया कि प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्थानीय संसाधनों के उपयोग से आत्मनिर्भर पर्यटन मॉडल विकसित किए जा सकते हैं। सिंह एवं शर्मा 2017: इस शोध में भारतीय पर्यटन की पर्यावरणीय चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अध्ययन के अनुसार, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियों के कारण जैवविविधता को नुकसान, कचरा प्रबंधन की समस्या, जल स्रोतों पर दबाव और स्थानीय संस्कृति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहे हैं। लेखकों ने यह सुझाव दिया कि पर्यटन स्थलों पर पर्यावरणीय प्रभाव आकलन को अनिवार्य किया जाए और हरित पर्यटन को प्रोत्साहित किया जाए। UNEP एवं UNWTO 2005: संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम एवं विश्व पर्यटन संगठन द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित इस दस्तावेज़ में नीति–निर्माताओं के लिए सतत पर्यटन को लागू करने हेतु स्पष्ट मार्गदर्शिका दी गई है। दस्तावेज़ में नीति निर्माण के तीन प्रमुख स्तंभों पर जोर दिया गया है: पर्यावरणीय संरक्षण, सांस्कृतिक संरक्षण, आर्थिक समावेशिता।इस मार्गदर्शिका में स्थानीय समुदायों की भागीदारी, सीमित संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, और दीर्घकालिक दृष्टिकोण की अनुशंसा की गई है।

समंकों का विष्लेषण:

द्वितीयक आँकड़ों से प्राप्त प्रमुख तथ्य (Key Findings from Secondary Data):

इस शोध पत्र में **1**. पर्यटन का आर्थिक योगदान एवं **2**. भारत में पर्यटक आगमन के आंकड़े द्वितीय संमंकों के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। सर्वप्रथम हम पर्यटन का आर्थिक योगदान का विष्लेषण करेंगे उसके बाद भारत में पर्यटक आगमन के आंकड़ों का विष्लेषण।

सारणी 1: पर्यटन का आर्थिक योगदान:

वर्ष	पर्यटन से GDP में योगदान (%)	प्रत्यक्ष रोजगार (करोड़ में)
2015	6.2 प्रतिषत	3.92 करोड़
2016	6.3 प्रतिषत	3.95 करोड़
2017	6.6 प्रतिषत	4.02 करोड़
2018	6.7 प्रतिषत	4.08 करोड़
2019	6.9 प्रतिषत	4.15 करोड़
2020	4.2 प्रतिषत (COVID प्रभाव)	3.10 करोड़
2021	4.5 प्रतिषत	3.25 करोड़
2022	5.8 प्रतिषत	3.90 करोड़
2023	6.8 प्रतिषत	4.60 करोड़
2047*	9.0–9.5 प्रतिषत(अनुमान)	6.5–7.2 करोड़

मुख्य बिंदु:

- 2015–2019 तक पर्यटन का GDP में योगदान लगातार बढ़ा।
- 2020–2021 में कोविड–19 के कारण योगदान और रोजगार दोनों में तेज गिरावट देखी गई।
- 2022–2023 में पुनरुद्धार (recovery) हुआ, और 2023 में लगभग पूर्व–कोविड स्तर तक वापसी हुई।

वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics): (2015–2023 के लिए)

पैरामीटर	GDP योगदान (प्रतिषत)	रोजगार (करोड़)
माध्य (Mean)	6.0	3.88
न्यूनतम (Minimum)	4.2 (2020)	3.10 (2020)
अधिकतम (Maximum)	6.9 (2019)	4.60 (2023)
मानक विचलन (Std Dev)	0.87	0.47

विश्लेषण–

पर्यटन का **GDP** में योगदान **COVID–19** से प्रभावित हुआ, परंतु 2023 तक पूर्व**–COVID** स्तर से ऊपर पहुँच गया। औसतन यह ~6.0 प्रतिषत पर रहा। प्रत्यक्ष रोजगार औसतन ~3.88 करोड़ रहा और 2023 में 4.6 करोड़ तक पहुँचा

प्रवृत्ति विश्लेषण (Trend Analysis):

GDP योगदान में प्रवृत्ति (2015–2023)

(~ Means approximately)

- 2015–2019 तक सतत् वृद्धि (~0.2: प्रति वर्ष)
- 2020–2021 में तेज गिरावट (COVID प्रभाव)
- 2022–2023 में तेज़ पुनरुद्धार (~1% प्रति वर्ष)

2047. 9.0–9.5% तक पहुँचने का अनुमान (औसतन 0.1% वार्षिक वृद्धि)

रोजगार में प्रवृत्तिः

- 2015–2019 ~0.06 करोड़/वर्ष की वृद्धि
- 2020–21 गिरावट (COVID)
- 2022–23 पुनरुद्धार दर > 0.35 करोड़/वर्ष

2047. तक अनुमान: 6.5–7.2 करोड़ (लगभग दोगुनी वृद्धि)

सहसंबंध विश्लेषण (Correlation Analysis):

Pearson's Correlation Coefficient (r):

GDP योगदान (प्रतिशत) और रोजगार (करोड़) के बीच:

r=+0.98r = +0.98r=+0.98

व्याख्या:

बहुत मजबूत सकारात्मक सहसंबंध। जैसे–जैसे पर्यटन का GDP में योगदान बढ़ा, रोजगार भी समानुपातिक रूप से बढ़ा।

2047 के लिए पूर्वानुमान विष्लेषण (Projection Analysis for 2047)

रैखिक वृद्धि मॉडल (आधारितरू 2015–2023 डेटा):
यह मॉडल यह मानता है कि पिछले वर्षों (2015–2023) में जैसी विकास दर रही है, भविष्य में भी वही दर बनी रहेगी। इसमें विशेष रूप से COVID–19 (2020–21) जैसी असामान्य घटनाओं के प्रभाव को कम करने हेतु सममित औसत (smoothed average) का उपयोग किया गया है।

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन क्षेत्र का प्रक्षेपित योगदानः

प्रक्षेपित दर लगभग 9.2 प्रतिशत (±0.2) है।

इसका अर्थ है कि वर्ष 2047 तक पर्यटन क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 9.2 प्रतिशत का योगदान देगा।

±0.2 का तात्पर्य है कि यह योगदान 9.0 प्रतिशत से 9.4 प्रतिशत के बीच हो सकता है, जो सांख्यिकीय अनिश्चितता को दर्शाता है।

प्रत्यक्ष रोजगारः

प्रक्षेपित रोजगार लगभग 6.8 करोड़ (±0.3) है।

इसका अर्थ है कि वर्ष 2047 तक पर्यटन क्षेत्र में लगभग 6.8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा।

±0.3 का तात्पर्य है कि वास्तविक संख्या 6.5 करोड़ से 7.1 करोड़ के बीच हो सकती है।

मुख्य बातें:

- रैखिक वृद्धि का अर्थ है कि वर्ष
- दर वर्ष वृद्धि एक समान दर से हो रही है।
- ± मान दर्शाते हैं कि अनुमान में थोड़ी बहुत अनिश्चितता या बदलाव संभव है, जो सांख्यिकीय मॉडलों में सामान्य होता है।
- इस मॉडल में 2020–21 के कोविड प्रभाव को समरूप कर दिया गया है ताकि दीर्घकालिक प्रवृत्ति को बेहतर समझा जा सके।

सांख्यकीय विश्लेषण से निष्कर्ष (Conclusion from Statistical Analysis):

- भारत में पर्यटन क्षेत्र का विकास स्पष्ट रूप से आर्थिक और सामाजिक विकास से जुड़ा हुआ है।

- कोविड–19 के झटके के बावजूद, इस क्षेत्र ने तेज़ी से वापसी की है।
- दीर्घकालिक प्रवृत्तियाँ दर्शाती हैं कि 2047 तक पर्यटन भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का प्रमुख स्रोत बन सकता है और रोजगार सृजन में अग्रणी भूमिका निभा सकता है।
- नीति–निर्माताओं को इन प्रवृत्तियों को ध्यान में रखकर स्मार्ट निवेश, सतत् रणनीतियाँ, और स्थानीय सशक्तिकरण पर ध्यान देना चाहिए।

सारणी 2: भारत में पर्यटक आगमन (Domestic & International Tourists)–

वर्ष	घरेलू पर्यटक (करोड़)	अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक (मिलियन)
2015	143.2	8.0
2016	161.5	8.8
2017	165.2	10.0
2018	185.4	10.6
2019	232.1	10.9 (रिकॉर्ड स्तर)
2020	61.0 (COVID)	2.7 (COVID)
2021	67.0	3.1
2022	173.2	6.2
2023	190.5	7.6
2047 (अनुमान)	**350–400 करोड़**	**30 –35 मिलियन**

(COVID–19 के कारण 2020–21 में गिरावट आई थी)

भारत में पर्यटक आगमन का सांख्यिकीय विश्लेषण

इस विश्लेषण में दो प्रकार के पर्यटकों पर ध्यान दिया गया है:

- घरेलू पर्यटक (भारत के भीतर यात्रा करने वाले भारतीय नागरिक)
- अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक (विदेशों से भारत आने वाले पर्यटक)

वर्ण्नात्मक स्ज्ञ ।थ्य्यक ;क्ैब्ल्प्ज्प्टम्‌ ैज।जेपेजपबेद्ध

यह किसी आँकड़ों के समूह का सारांश होता है, जिससे हमें पता चलता है कि डेटा की औसत स्थिति क्या है, कितना फैलाव है, और चरम मान कौन से हैं।

घरेलू पर्यटक (करोड़ में):

मापदंड	**मान**
न्यूनतम ;डपदद्ध	61.0 ;2020द्ध
अधिकतम ;डंगद्ध	232.1 ;2019द्ध
औसत ;डमंदद्ध	≈ 153.9

माध्यिका ;डमकपंदद्ध	≈ 165.2
मानक विचलन ;जक क्मअद्ध	≈ 54.9

विष्लेषण

मापदंड	अर्थ	विश्लेषण
न्यूनतम (डपद)	सबसे कम मान	2020 में केवल 61.0 करोड़, ब्व्टप्क–19 के कारण
अधिकतम (डंग)	सबसे अधिक मान	2019 में 232.1 करोड़, यह सबसे अच्छा वर्ष था
औसत (डमंद)	कुल डेटा का औसत	औसतन हर साल 153.9 करोड़ पर्यटक आए
माध्यिका (डमकपंद)	बीच का मान	मध्यवर्ती मानरू 165.2 करोड़
मानक विचलन (जक क्मअ)	डेटा में बदलाव	54.9 ⟶ दर्शाता है कि आँकड़े औसत से कितने की मात्रा ऊपर–नीचे हु

इसका मतलब है कि सामान्य वर्षों में घरेलू पर्यटन काफी अच्छा रहा, लेकिन 2020 में भारी गिरावट आई, जिससे औसत भी प्रभावित हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक (मिलियन में):

मापदंड	मान
न्यूनतम (डपद)	2.7 (2020)
अधिकतम (डंग)	10.9 (2019)
औसत (डमंद)	≈ 7.5
माध्यिका (डमकपंद)	≈ 8.0
मानक विचलन (जक क्मअ)	≈ 2.6

इसे इस तरह से समझ सकते हैं–

मापदंड	अर्थ	विश्लेषण
न्यूनतम (डपद)	सबसे कम मान	2020 में सिर्फ 2.7 मिलियन, ब्व्टप्क प्रभाव
अधिकतम (डंग)	सबसे अधिक मान	2019 में 10.9 मिलियन (रिकॉर्ड स्तर)
औसत (डमंद)	कुल डेटा का औसत	हर साल औसतन 7.5 मिलियन विदेशी पर्यटक

माध्यिका (डमकपंद)	बीच का मान	8.0 मिलियन – यह बताता है कि आधे वर्ष इससे नीचे और आधे इससे ऊपर रहे
मानक विचलन (जक क्मअ)	डेटा में बदलाव की	2.6 – दर्शाता है कि विदेशी पर्यटकों मात्रा की संख्या हर वर्ष कितनी बदलती रही

निष्कर्षः 2015 से 2019 तक निरंतर वृद्धि रही, जबकि 2020–21 में COVID–19 के कारण गिरावट आई। 2022 से पुनः वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई।

कारक विश्लेषण (Factor Analysis)

संभावित प्रमुख कारकः

आर्थिक कारकः GDP वृद्धि से घरेलू पर्यटन में वृद्धि।

स्वास्थ्य/संकट कारकः COVID–19 जैसी महामारी ने पर्यटन को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

नीतिगत कारकः वीज़ा में छूट, डिजिटल इंडिया, और Incredible India जैसे अभियानों का प्रभाव।

अंतर्राष्ट्रीय तनाव या वैश्विक संकटः अंतर्राष्ट्रीय आगमन पर सीधा प्रभाव।

निष्कर्षः महामारी जैसे बाहरी झटके अल्पकालिक गिरावट का कारण बने, जबकि दीर्घकालिक वृद्धि मुख्यतः आर्थिक विकास और सरकारी प्रयासों से प्रेरित रही है।

प्रवृत्ति विश्लेषण (Trend Analysis)

घरेलू पर्यटन में प्रवृत्तिः

- 2015–2019: लगातार वृद्धि (CAGR ≈ 13%)
- 2020–2021: तेज गिरावट (70%)
- 2022–2023: पुनरुद्धार (V-shape recovery)
- 2047 अनुमानः उच्च वृद्धि संभावित (~375 करोड़)

अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में प्रवृत्तिः

- 2015–2019: स्थिर वृद्धि (≈ 7% वार्षिक)
- 2020–2021: गिरावट (75%)
- 2022–2023: धीमी पुनरुद्धार
- 2047 अनुमानः 30–35 मिलियन का लक्ष्य (तीन गुना वृद्धि)

निष्कर्षः भारत में पर्यटन क्षेत्र दीर्घकाल में सकारात्मक दिशा में है, विशेष रूप से घरेलू पर्यटन में तीव्र वृद्धि संभावित है।

2.4. भविष्यवाणी विश्लेषण (Projection / Forecast Analysis)

2047 के लिए अनुमानः

वर्ष	घरेलू पर्यटक (करोड़)	अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक (मिलियन)
2047	350–400	30–35

संभाव्य परिदृश्य (Using linear extrapolation):

- घरेलू CAGR (2015–2023) ~ 4.3%
- यदि यह दर बनी रहती है → 2047 में घरेलू पर्यटक ≈ 370–390 करोड़ तक पहुंच सकते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय CAGR (2015–2023) ~ 2.8% (excluding COVID dip)

निष्कर्षः अगर सरकार की नीतियाँ, बुनियादी ढाँचा, और सुरक्षा सुधार जारी रहते हैं, तो भारत 2047 तक वैश्विक टॉप पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है।

- **सारांश निष्कर्ष**

- घरेलू पर्यटन भारत की मुख्य शक्ति बनता जा रहा है।
- COVID–19 ने एक अस्थायी व्यवधान उत्पन्न किया, पर क्षेत्र तेज़ी से उभर रहा है।
- 2047 तक, भारत के पास घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में 2–3 गुना वृद्धि का सामर्थ्य है।
- नीति–निर्माण, विपणन और बुनियादी ढांचे पर केंद्रित प्रयास आवश्यक होंगे।

अवसर (Opportunities)–

- ग्रामीण एवं इको–पर्यटनः नीति आयोग की "Responsible Tourism" रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 65ः जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है कृ जिससे ग्रामीण पर्यटन में सतत् रोजगार सृजन की अपार संभावनाएँ हैं।
- डिजिटल पर्यटनः e-Visa, Incredible India 2.0, और UPI जैसे डिजिटल नवाचारों ने भारत को स्मार्ट पर्यटन स्थल में बदलने की ओर अग्रसर किया है।
- सांस्कृतिक विविधताः भारत में 38 UNESCO विश्व धरोहर स्थल हैं जो सांस्कृतिक पर्यटन के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

चुनौतियाँ (Challenges):

- पर्यावरणीय दबाव– UNWTO के अनुसार, पर्यावरणीय असंतुलन (जैसे कि जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन) भारत में 27 प्रतिषत पर्यटन स्थलों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है।
- अति–पर्यटन (Over-tourism)– विशेष रूप से हिमाचल, गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्यों में पर्यटन क्षमता से अधिक दबाव पड़ रहा है जिससे स्थानीय संसाधनों पर भार बढ़ रहा है।
- नीति और प्रबंधन में विसंगति– भारत में एक समग्र सतत् पर्यटन नीति की अनुपस्थिति नीतिगत टकराव और अनिश्चितता को जन्म देती है। विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी है।

SWOT विश्लेषण (SWOT Analysis):

पहलू	विवरण
शक्तियाँ	जैव विविधता, सांस्कृतिक धरोहर, युवा जनसंख्या
कमजोरियाँ	अवसंरचना की कमी, नीति विखंडन, पर्यावरणीय जोखिम
अवसर	डिजिटल परिवर्तन, ग्रामीण पर्यटन, सार्वजनिक–निजी साझेदारी
खतरे	जलवायु परिवर्तन, अति–व्यवसायीकरण, स्थानीय समुदायों का बहिष्कार

नीति सुझाव (Policy Recommendations):

- **सतत् पर्यटन नीति निर्माण**: एक एकीकृत राष्ट्रीय नीति जिसमें पर्यावरणीय नियमन, सामुदायिक भागीदारी और सांस्कृतिक संरक्षण को प्राथमिकता मिलना चाहिए।
- **स्थानीय समुदायों का सशक्तिकरण**: CSR और सरकारी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण/आदिवासी क्षेत्रों में प्रशिक्षण, माइक्रो–फाइनेंस और इको–लॉजिंग को बढ़ावा देना चाहिए।
- **स्मार्ट टूरिज्म मॉडल**: पर्यटक डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल साइनएज, और AR/VR अनुभवों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण अनुभव विकसित करना चाहिए।
- **सांख्यिकीय निगरानी प्रणाली**: GIS आधारित साइट निगरानी, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन और सामुदायिक संतोष सूचकांक विकसित करना चाहिए।

निष्कर्ष (Conclusion):

यह शोधपत्र स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारत में पर्यटन क्षेत्र न केवल आर्थिक विकास का एक महत्त्वपूर्ण आधार है, बल्कि यह सामाजिक समावेशन, सांस्कृतिक संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन के लिए भी एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। 2015 से 2019 तक पर्यटन क्षेत्र में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई, किंतु कोविड–19 (2020–21) के दौरान इस क्षेत्र को गंभीर झटका लगा। इसके बावजूद, 2022 से पुनरुद्धार की प्रवृत्ति यह संकेत देती है कि भारत का पर्यटन उद्योग लचीलापन (resilience) रखता है और दीर्घकालीन विकास की अपार संभावनाएँ हैं।

2047 तक भारत में पर्यटन क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में 9 % से अधिक योगदान देने और 6.5–7.2 करोड़ प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने की संभावनाएँ मौजूद हैं, बशर्ते कि इसके लिए नीति–निर्माण, बुनियादी ढाँचा, और स्थानीय सहभागिता पर सुव्यवस्थित प्रयास किए जाएँ।

हालाँकि, इस विकास के मार्ग में अति–पर्यटन, पर्यावरणीय क्षरण, नीति विसंगतियाँ और सामुदायिक भागीदारी की कमी जैसी प्रमुख चुनौतियाँ भी सामने हैं। इस शोध से यह स्पष्ट होता है कि एक समग्र, डेटा–संचालित और समन्वित नीति ढाँचे के बिना सतत पर्यटन असंभव है।

इसलिए, यदि भारत को "विकसित भारत 2047" की परिकल्पना को साकार करना है, तो पर्यटन को सतत्, समावेशी और नवाचार–समर्थित रणनीतियों के साथ पुनःपरिभाषित करना होगा, ताकि यह न केवल आर्थिक शक्ति बने, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक न्याय का भी वाहक सिद्ध हो सके।

संदर्भ (References)–

[1] Ministry of Tourism] Government of India – Annual Reports (2015–2023)

[2] World Travel and Tourism Council (WTTC) – Economic Impact Reports

[3] United Nations World Tourism Organization (UNWTO) – Tourism for SDGs Platform

[4] NITI Aayog – Sustainable Tourism Draft Guidelines (2023)

[5] UNESCO – World Heritage Centre Data

[6] Center for Sustainable Tourism – Policy Papers